प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट

"Investigation Techniques Using Advance Technology "

दिनांक 23-09-2019 से 27-09-2019

राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर।

राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक 23-09-2019 से 27-09-2019 तक "**Investigation Techniques Using Advance Technology**" विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अकादमी के निदेशक श्री हेमंत प्रियदर्शी, आई॰पी॰एस॰ अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस के निर्देशन में प्रबुद्ध वक्ताओं को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से 01 उप अधीक्षक पुलिस, 02 पुलिस निरीक्षक, 02 कम्पनी कमाण्डर, 21 उप निरीक्षक पुलिस एवं 02 प्लाटुन कमाण्डर कुल 28 प्रतिभागी उपस्थित हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन 10:00-10:30 AM तक परिचय और पंजीकरण के पश्चात कोर्स निदेशक द्वारा कोर्स का परिचय एवं प्रतिभागियो को दिशा निर्देश दिये गये । प्रथम सत्र में श्री धीरज वर्मा, पुलिस निरीक्षक आरपीए ने अनुसंधान के उद्देश्य विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा की। द्वितीय सत्र में श्री आर एस शर्मा, रिटायर्ड अतिरिक्त निदेशक एफएसएल, जयपुर ने इन्वेस्टिगेशन की विभिन्न तकनीक के बारे में विस्तार से बताया। तृतीय सत्र में डॉ यजुला गुप्ता, सहायक निदेशक विष खण्ड एफएसएल जयपुर ने फोरेंसिक विष विज्ञान के संबंध में विस्तृत रूप से बताया।

द्वितीय दिन के प्रथम सत्र में डॉ विश्वास भारद्वाज, सहायक निदेशक, साईबर फोरेंसिक, एफएसएल, जयपुर ने डिजिटल साक्ष्य की तलाशी और जब्ती पर चर्चा की। द्वितीय सत्र में श्री

गजेन्द्र शर्मा, उप निरीक्षक साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन, जयपुर ने कंप्यूटर, मोबाइल ईमेल, वित्तीय धोखाधड़ी और ऑनलाइन सोशल मीडिया मामलों में अनुसंधान तकनीक के बारें में विस्तृत रूप से बताया। अन्तिम सत्र में श्री रक्षित कोठारी, पुलिस निरीक्षक, एससीआरबी, जयपुर ने फिंगर प्रिंट की लिफ्टिंग और पैकिंग, संग्रहण और प्रयोगशाला के लिए साक्ष्य को अग्रेषित करना बताया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन के प्रथम सत्र में राजेश सिंह, सहायक निदेशक जैविक खण्ड, एफएसएल, जयपुर ने सुपरइम्पोजिशन और आडॉन्टोलॉजी के माध्यम से अज्ञात व्यक्तियों की पहचान में आधुनिक तकनीक का उपयोग पर व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में श्री चिराग गोयल, साईबर एक्सपर्ट ने डार्क वेब और ब्लॉक चेन के संबंध में अनुसंधान एवं क्रिप्टो मुद्रा पर व्याख्यान दिया। अन्तिम सत्र में डॉ. राजेश कुमार सहायक निदेशक डी.एन.ए. डिवीजन एफएसएल, राजस्थान, जयपुर ने अनुसंधान में डीएनए की भूमिका और प्रादशों को विधि विज्ञान प्रयोगशाला को अग्रेषित करने के संबंध में बरती जाने वाली पूर्वाधानियों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के चतुर्थ दिन की शुरूआत में प्रथम सत्र में श्री राजेन्द्र सिंह डांगी, रिटायर्ड निदेशक, सीएफएसएल नई दिल्ली ने आवाज की पहचान और स्तरित आवाज विश्लेषण के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से चर्चा की। द्वितीय एवं अन्तिम सत्र में श्री चिराग गोयल, साईबर एक्सपर्ट ने डार्क वेब प्रैक्टिकल, आईपीडीआर एनालिसिस, कृत्रिम आसूचना powered face recognition एवं क्लाउड कंप्यूटिंग के बारे में साइबर लैब में कालांश लिया जाकर इसके बारे में विस्तृत रूप से बताया एवं प्रायोगिक रूप से कार्य करवाया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के पांचवे और अन्तिम दिवस के प्रथम सत्र में श्री शेखर सिंह अनुसंधान मैनेजर, जयपुर ने बैंकिंग क्षेत्र में धोखाधड़ी का अनुसंधान, ऑनलाइन शॉपिंग/लेनदेन, बैंकिंग कार्ड (एटीएम), से धोखाधडी का अनुसंधान, साक्ष्य संग्रहण को केस स्टडी के माध्यम से समझाया। द्वितीय सत्र में श्री दिनेश असनानी, पुलिस निरीक्षक, एससीआरबी, जयपुर ने आपराधिक आसूचना हेतु जानकारी के लिए आईसीजेएस और अन्य डेटा बेस का उपयोग करने के बारे में अपना व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह दिनांक 27-09-2019 को वर्चुअल क्लाश रूम में में आयोजित किया गया। श्री मुकेश कुमार, पुलिस निरीक्षक (सहायक कोर्स निदेशक) द्वारा पावर पाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से कोर्स रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण किया गया तथा प्रतिभागियों द्वारा प्रजेन्टेशन दिया गया। श्री वी के सिंह, महानिरीक्षक पुलिस, नियम राजस्थान जयपुर के उद्धबोधन के पश्चात् प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। सहायक कोर्स निदेशक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर कोर्स समाप्ति की घोषणा।

भवदीया,

(सुमन चौधरी)
अति.पुलिस अधीक्षक
कोर्स डायरेक्टर
आर.पी.ए., जयपुर